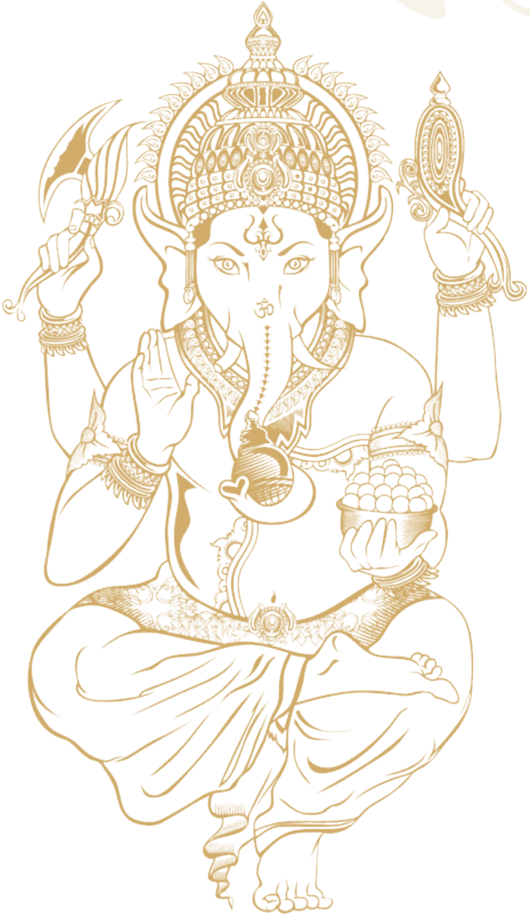

Yash agrwal

04 Mar 2002

07:10 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121938904

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 04/03/2002**
दिन	: सोमवार
जन्म समय	**: 07:10:00 घंटे**
इष्ट	: 01:05:38 घटी
स्थान	**: Delhi**
देश	: India

अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 06:48:52 घंटे
वेलान्तर	: -00:11:48 घंटे
साम्पातिक काल	: 17:35:29 घंटे
सूर्योदय	: 06:43:44 घंटे
सूर्यास्त	: 18:22:31 घंटे
दिनमान	: 11:38:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 19:24:52 कुम्भ
लग्न के अंश	: 27:22:37 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**: तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**: विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	: गुरु
योग	: व्याघात
करण	: गर
गण	: राक्षस
योनि	: व्याघ्र
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: सर्प
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	27:22:37	512:24:59	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	19:24:52	01:00:08	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	24:28:46	13:59:51	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल			मेष	07:50:45	00:42:27	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
बुध			मक	24:46:18	01:20:37	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
गुरु			मिथु	11:45:02	00:00:29	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	01:08:00	01:14:47	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शनि			वृष	14:41:12	00:02:39	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		वृष	29:30:46	00:03:00	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	29:30:46	00:03:00	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	01:59:11	00:03:21	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
नेप			मक	15:49:48	00:01:59	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:40:07	00:00:34	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			धनु	00:29:14	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:58

लग्न-चलित

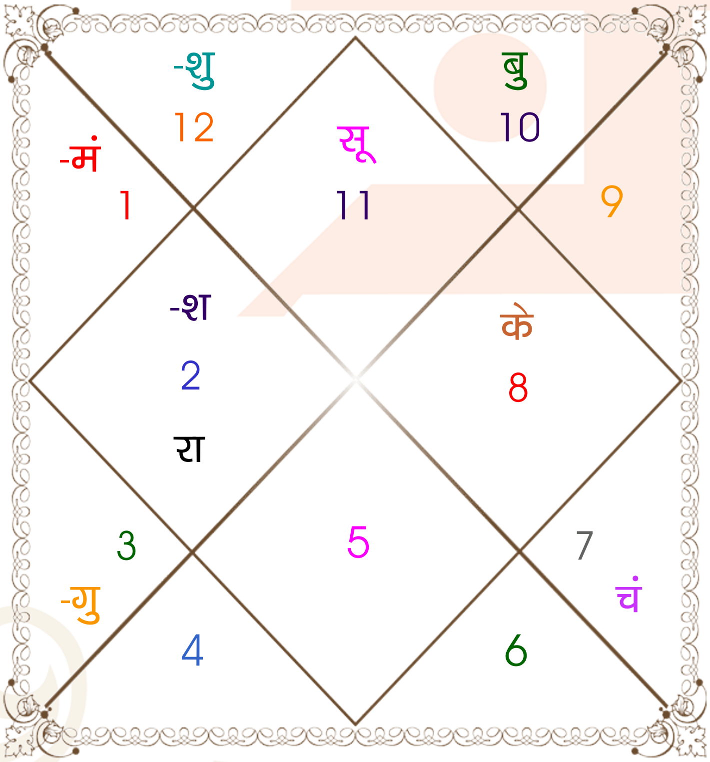

चन्द्र कुंडली

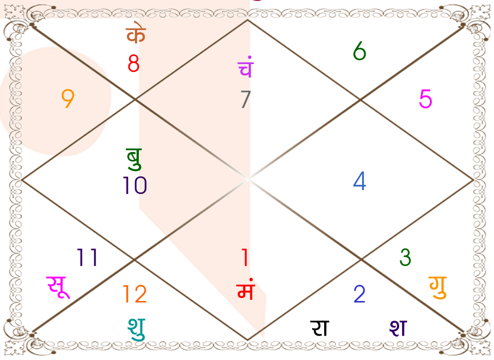

नवमांश कुंडली

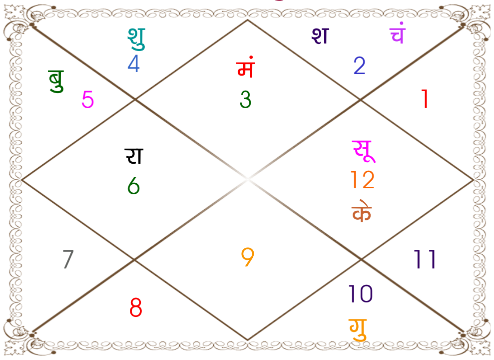

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 7 मास 15 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
04/03/2002		**17/10/2012**		**18/10/2031**		**17/10/2048**		**18/10/2055**	
17/10/2012		**18/10/2031**		**17/10/2048**		**18/10/2055**		**18/10/2075**	
	00/00/0000	शनि	21/10/2015	बुध	16/03/2034	केतु	16/03/2049	शुक्र	17/02/2059
	04/03/2002	बुध	30/06/2018	केतु	13/03/2035	शुक्र	16/05/2050	सूर्य	17/02/2060
बुध	24/09/2003	केतु	09/08/2019	शुक्र	11/01/2038	सूर्य	21/09/2050	चंद्र	18/10/2061
केतु	30/08/2004	शुक्र	09/10/2022	सूर्य	17/11/2038	चंद्र	22/04/2051	मंगल	18/12/2062
शुक्र	01/05/2007	सूर्य	21/09/2023	चंद्र	18/04/2040	मंगल	18/09/2051	राहु	18/12/2065
सूर्य	17/02/2008	चंद्र	21/04/2025	मंगल	15/04/2041	राहु	05/10/2052	गुरु	18/08/2068
चंद्र	18/06/2009	मंगल	31/05/2026	राहु	02/11/2043	गुरु	11/09/2053	शनि	18/10/2071
मंगल	25/05/2010	राहु	06/04/2029	गुरु	07/02/2046	शनि	21/10/2054	बुध	18/08/2074
राहु	17/10/2012	गुरु	18/10/2031	शनि	17/10/2048	बुध	18/10/2055	केतु	18/10/2075

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/10/2075		**18/10/2081**		**18/10/2091**		**18/10/2098**		**18/10/2116**	
18/10/2081		**18/10/2091**		**18/10/2098**		**18/10/2116**		**00/00/0000**	
सूर्य	05/02/2076	चंद्र	18/08/2082	मंगल	15/03/2092	राहु	01/07/2101	गुरु	07/12/2118
चंद्र	05/08/2076	मंगल	19/03/2083	राहु	03/04/2093	गुरु	25/11/2103	शनि	19/06/2121
मंगल	11/12/2076	राहु	17/09/2084	गुरु	10/03/2094	शनि	01/10/2106	बुध	05/03/2122
राहु	05/11/2077	गुरु	17/01/2086	शनि	19/04/2095	बुध	19/04/2109		00/00/0000
गुरु	24/08/2078	शनि	18/08/2087	बुध	15/04/2096	केतु	08/05/2110		00/00/0000
शनि	06/08/2079	बुध	17/01/2089	केतु	11/09/2096	शुक्र	07/05/2113		00/00/0000
बुध	12/06/2080	केतु	18/08/2089	शुक्र	11/11/2097	सूर्य	01/04/2114		00/00/0000
केतु	17/10/2080	शुक्र	19/04/2091	सूर्य	19/03/2098	चंद्र	01/10/2115		00/00/0000
शुक्र	18/10/2081	सूर्य	18/10/2091	चंद्र	18/10/2098	मंगल	18/10/2116		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 8 मा 6 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन के कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाले हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगे। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगे। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगे। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखते हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहते हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचते है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन का ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाले व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करते हो। दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहते। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहते। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरूद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमती पत्नी एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली व्यक्ति के समान धनी हो जाओगे। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करते हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देते तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़े रहते हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकते हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकते है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।